Board Of School Education Haryana



मॉडल पेपर

उत्तर

2025

aglasem.com





अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय- हिंदी

कक्षा – नौवीं

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उतर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।
11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।
12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करे।

उत्तर कुंजी
कोड न. - 2501
कक्षा 9

1.) व्याकरण पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर अपनी उत्तरपुस्तिका मे लिखिए।

(क) (iv) यमक अलंकार
(ख) (i) अति
(ग) (i) क्रिया विशेषण
(घ) (i) इच्छा
(ड) (iii) गुरुमुखी
(च) (ii) पूर्णिमा
(छ) (iv) वाक्य

2.) निम्नलिखित प्रश्नों के यथानिर्दिष्ट उत्तर दीजिए।

(क) प्रेम, क्रम, कर्म, चक्र आदि |

(ख) (i) अपनी प्रशंसा स्वयं करना

(ii) किसी कार्य के लिए तैयार होना

(ग) जिस समास मे प्रथम पद व द्वितीय पद की प्रधानता न हो बल्कि कोई तीसरा पद प्रधान हो, उसे बहुब्रीहि समास कहते हैं । उदाहरण : नीला है कंठ जिसका (शिव)

(घ) **विकारी:** जिन शब्दों के लिंग वचन और काल के आधार पीआर रूप बदल जाते है उन्हें विकारी शब्द कहते हैं । जैसे - संज्ञा सर्वनाम विशेषण आदि।
अविकारी: जिन शब्दों में लिंग वचन और काल के प्रभाव में कोई परिवर्तन नहीं होता उन्हें अविकारी कहते है। जैसे - क्रिया विशेषण, संबंध बोधक और समुच्चय बोधक |

3.) निम्नलिखित में से कोई एक विषय पीआर निबंध लिखिए।
(क) वृक्षारोपण - भूमिका, प्रकृति की पूजा, मावन का जीवन, हवा की शुद्धि, वन क्षरण और उपसंहार |
(ख) श्रम का महत्व - भूमिका, परिश्रम का अभाव, आलस्य, परिश्रम, भाग्यवाद, उपसंहार
(ग) नारी सशक्तिकरण - भूमिका, नारी के विविध रूप, भारतीय नारी का आदर्श, वर्तमान स्थिति, सुझाव और उपसंहार
(घ) स्वदेश प्रेम – भूमिका, स्वदेश प्रेम, स्वदेश का आकर्षण, स्वदेश की उन्नति, राष्ट्रीयता और उपसंहार
(च) भारत की वैज्ञानिक प्रगति - भूमिका, वैज्ञानिक इतिहास, वैज्ञानिक अविष्कारों में भारत की भूमिका, वैज्ञानिक प्रगति में सरकार की भूमिका और उपसंहार

4.)
पत्र भेजने वाले का पता
दिनांक
सम्बोधन
अभिवादन
पत्र लिखने का कारण
विषय का विस्तार
समापन

अथवा

विद्यालय का पता
दिनांक
विषय
सम्बोधन
विषय का विस्तार
समापन

खंड (ख)

5.) क्षितिज (काव्य खंड)के आधार पर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर अपनी पुस्तिका मे लिखिए।

(क) (iii) मुसलमानों का
(ख) (iii) सदकर्मों को
(ज) (iv) कृष्ण
(घ) (i) माखन लाल चतुर्वेदी
(ड) (i) मखमल के समान कोमल
(च) (iii) विवशता

प्रश्न 6 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(क) कबीर दास
(ख) पक्ष - विपक्ष
(ग) ईश्वर को
(घ) निष्पक्ष भाव से प्रभु श्रमण करने वाला
(ड) अनुप्रास अलंकार

7.)
मानसरोवर से अभिप्राय किसी भक्त का मन है जो भक्ति-रूपी जल से पूरी तरह भरा हो। सुभर जल से अभिप्राय है कि भक्त का मन भक्ति भावों से परिपूर्ण रूप से भर चुका है वहां अब और किसी प्रकार के भावों की जगह नही है।

अथवा

मनुष्य का जीवन प्राप्त करने पर ग्वालों के रूप में।
पशु की योनि प्राप्त करने पर नंद बाबा की गाय के रूप में।
निर्जीव पत्थर बनने पर गोवर्धन पर्वत पर ही स्थान पाए।और पक्षी बनने पर यमुना किनारे ही कदम्ब के पेड़ की शाखाओं पर ही बसेरा करे।

8)
प्रस्तुत पंक्तियों में पाहुंन अर्थात दामाद के रूप में प्रकृति का मानवीकरण हुआ है। चित्रात्मक शैली में बादलों के सौंदर्य का मनोरम चित्रण ।भाषा सरल, सहज व प्रवाहमय, अनुप्रास,मानवीकरण, और उत्प्रेक्षा अलंकार का प्रयोग। देशज और तद्भव शब्दावली प्रयोग, प्रसाद गुण आदि।

9.) कवि ने अंग्रेजी शासन की तुलना तम से की है क्योंकि अंग्रेजी शासन प्रणाली अन्यायपूर्ण थी। ब्रिटिश शासन का स्वरूप भी अंधकार की भांति कालिमा से युक्त है पराधीनता के युग में भारतीयों को अंग्रेजो के बहुत से जुल्मों को सहना पड़ा।

खंड (ग)

प्रश्न 10 क्षितिज (गद्य खंड) के आधार पीआर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए:

(क) (iii) ऋषिमुनियों के

(ख) (i) यात्रा वृतांत

(ग) (iii) आम जनमानस को।

(घ) (iii) साइलेंट वैली।

(ड) (iii) प्रेमचंद का

(च) (i) सुभद्रा कुमारी चौहान।

11.)

(क) ल्हासा की ओर, राहुल सांकृत्यायन

(ख) बहुत अधिक छोटे और बड़े जागीरदारों मे

(ज) स्वय बेगार में मिलने वाले मजदूरों से

(घ) भिक्षु

(ड़) बेगार उन व्यक्तियों को कहते हैं जो बिना कोई निश्चित पारिश्रमिक लिए काम करते है।

12.)

प्रेमचंद - जन्म 1880 लमही गांव उत्तर प्रदेश

मूल नाम धनपत राय पहले उर्दू में लिखते थे ।

प्रमुख रचनाएं

उपन्यास - सोजे वतन , निर्मला , रंगभूमि, कर्मभूमि ,सेवा सदन , गबन आदि

नाटक - कर्बला

कहानियां - बड़े घर की बेटी , ईदगाह , प्रेम पच्चीसी आदि

भाषा – मुहावरेदार भाषा, उर्दू के शब्दों का प्रयोग, तत्सम तद्भव और देशज शब्दावली का प्रयोग।

अथवा

राहुल सांकृत्यायन
जन्म 1893, आजमगढ़ उत्तर प्रदेश
मूल नाम केदार पाण्डेय
घुमक्कड़ प्रवृत्ति 1930 में श्रीलंका जाकर बौद्ध धर्म ग्रहण किया।
प्रमुख रचनाएं, बोल्गा से गंगा ,भागो नही दुनिया को बदलो , मेरी जीवन यात्रा आदि
भाषा बोलचाल की भाषा, सहज सरल , तत्सम, तद्भव
शैली में चित्रात्मक गुण ।

13.)
(क) विज्ञापनों की चकाचौंध से प्रभावित समाज के संपन्न और उच्चवर्ग द्वारा प्रदर्शन पूर्ण जीवन शैली का अपनाने के कारण उच्च वर्ग और निम्न वर्ग में दूरियों का बढ़ना और जो संपन्न नही है उनका अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए गलत मार्ग अपनाना । समाज में अशांति और विषमता को बढ़ाता है। जिससे हमारे स्वस्थ और सांस्कृतिक मूल्यों का हास होता है । साथ ही हम वस्तुओं की गुणवत्ता पर भी ध्यान नही देते।

(ख) एक बार बचपन में सालिम अली मामा की दी हुई एयरगन से खेल रहे थे। उसी एयरगन से एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। इस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया। सालिम गौरेया के विषय में जानना चाहते थे तब मामा ने उन्हें नैचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बी.एन.एच.एस) जाकर गौरैया की पूरी जानकारी प्राप्त करने को कहा, वहाँ जाने के बाद उनकी रूचि पूरे पक्षी- संसार की ओर मुड़ गयी और वे पक्षी-प्रेमी बन गए।

(ग) साधारण व्यक्तित्व, बेपरवाह, विश्वास से पूर्ण, सामान्य वेशभूषा पर संकोच नहीं, व्यंग्यपूर्ण मुस्कान

खंड -घ

14.)

(क) आधुनिक समाज में सभ्य नागरिक होने के बावजूद उन्हें अपनी बेटी के भविष्य की खातिर रूढिवादी लोगों के दबाव में झुकना पड़ रहा था। उपर्युक्त बात एक पिता की विवशता को उजागर करती है, जो एक ओर अपनी बेटी को पढ़ा-लिखा कर सक्षम बनाना चाहता है लेकिन समाज के नियमों को मानने के लिए बाध्य है।

अथवा

'रीढ़ की हड्डी' एक उद्देश्यपूर्ण एकांकी है। इस एकांकी में लेखक ने स्पष्ट किया है कि लड़के और लड़की में भेदभाव करना उचित नहीं है। लड़की भी उच्च शिक्षा के साथ-साथ सम्मान की अधिकारिणी है। विवाह के नाम पर उससे तरह-तरह के सवाल पूछकर उसे अपमानित करना उचित नहीं है। आज लड़कियां भी लड़कों के हो समान उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। अतः उन्हें भी उचित सम्मान मिलना चाहिए। लेखक ने गोपालप्रसाद जैसे रूढ़िवादी विचारधारा के लोगों पर प्रहार भी किया है

(ख) बाढ़ की खबर सुनकर लोग अपनी सुरक्षा के प्रबंध और अत्यावश्यक सामानों को जुटाने में लग गए। उन्होंने आवश्यक ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी और कम्पोज की गोलियाँ इकट्ठी करनी शुरू कर दी ताकि बाढ़ से घिर जाने पर कुछ दिनों तक उनका गुजारा चल सके और रोजमर्रा के कार्यों के लिए उन्हें इन का अभाव न झेलना पड़े। दुकानों के

निचले हिस्सों से सामान हटाया जाने लगा ताकि नुकसान कम से कम हो इसप्रकार सावधानी की दृष्टि से उन्होंने तैयारी की।

(ग) लेखिका ने अपनी नानी को कभी देखा भी नहीं फिर भी उनके व्यक्तित्व से वे निम्न कारणों से प्रभावित थीं:

1. लेखिका की नानी अपनी बेटी का विवाह एक क्रांतिकारी से करने की इच्छुक थी इसलिए नानी ने अपने जीवन के अंतिम दिनों में प्रसिद्ध क्रांतिकारी प्यारेलाल शर्मा से भेंट की थी। उस भेंट में उन्होंने यह इच्छा प्रकट की थी कि वे अपनी बेटी की शादी किसी क्रांतिकारी से करवाना चाहती है। इस घटना से उनका देश के प्रति अटूट प्रेम पता चलता है।

2. जीवन-भर परदे में रहकर भी उन्होंने अपनी बेटी की भलाई के लिए पर-पुरुष से मिलने की हिम्मत की। इससे उनके साहसी व्यक्तित्व और मन में सुलगती स्वतंत्रता की भावना का पता चला।

3. लेखिका की नानी भले अनपढ़, पुराने ढंग और हमेशा परदे में रहने वाली महिला रहीं हो परन्तु अपनी निजी जिंदगी में वे आजाद विचारों वाली महिला थीं। उन्होंने कभी भी नानाजी के विचारों का अंधानुकरण नहीं किया बल्कि अपने हिसाब से अपना जीवन बिताया।

15.) आदर्श जीवन मूल्य माध्यमा के आधार पर निम्नलिखित किन्ही 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) जीवन के दिव्य लक्षण जहाँ अच्छी पढ़ाई में सहायक होंगे वहीं आगे पूरे जीवन को एक अच्छा आधार देकर जीवन में छिपी महानता को प्रकट करेंगे। जैसे अच्छी पढ़ाई केवल इसी समय के लिए नहीं है, अपितु अच्छे कॅरियर एवं

नीतिपूर्ण धनोपार्जन के द्वारा समग्र जीवन का अच्छा आधार है, ऐसे ही ये गुण मात्र अब के लिए नहीं बल्कि समूचे जीवन की अक्षय निधि हैं |

(ख) बुद्धि संगति के प्रभाव से बनती या बिगड़ती है। संगति अच्छी होगी तो बिगड़ी बुद्धि भी सँवर जाएगी और सही निर्णय करने लगेगी लेकिन संगति ही बिगड़ी हुई होगी तो अच्छी भली बुद्धि को भी बिगाड़ दे|

(ग) गुरुजनों और बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने आचार्य-शिक्षक या गुरुजनों के निकट जाना, उनसे अपनी जिज्ञासा का समाधान करवाना, प्रश्नों का उत्तर लेना और उनके अनुभव का अपने लिए लाभ लेना बहुत अच्छा भी है और आवश्यक भी है|

(घ) आपसी शत्रुता के बारे में कहा था, "वैर से बुद्ध ने वैर शान्त नहीं होता। अवैर से ही वैर शान्त होता है।" यह सुनहरा सूत्र सर्वदा सार्थक |



(ड) मनुष्य के जीवन की सार्थकता परिश्रम करने में है। जो व्यक्ति जीवन में पुरुषार्थ करता है तथा विपरीत परिस्थिति आने पर भी निराश नहीं होता, उस व्यक्ति का जीवन सार्थक माना जाता है |

Sample Papers

- CBSE Sample Papers
- ICSE / ISC Board Sample Papers
- AP Board Sample Papers
- Assam Board Sample Papers
- Bihar Board Sample Papers
- Chhattisgarh Board Sample Papers
- Goa Board Sample Papers
- Gujarat Board Sample Papers
- Haryana Board Sample Papers
- HP Board Sample Papers
- J&K State Board Sample Papers
- Jharkhand Board Sample Papers
- Karnataka Board Sample Papers
- Kerala Board Sample Papers

Sample Papers

- MP Board Sample Papers
- Maharashtra Board Sample Papers
- Manipur Board Sample Papers
- Mizoram Board Sample Papers
- Orissa Board Sample Papers
- Punjab Board Sample Papers
- Rajasthan Board Sample Papers
- Tamil Nadu Board Sample Papers
- Telangana State Board Sample Papers
- Tripura Board Sample Papers
- UP Board Sample Papers
- Uttarakhand Board Sample Papers
- West Bengal Board Sample Papers

